

वर्तमान सरकार प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने का काम कर रही है : मुख्यमंत्री

तकनीक से जुड़े विद्यार्थी टेक्नोलॉजी के
माध्यम से समाज के लिए बेहतर कार्य कर सकते हैं

उत्तर प्रदेश के विकास में तकनीकी विश्वविद्यालयों की महती भूमिका हो सकती है

क्वालिटी एजुकेशन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता

प्रयागराज कुम्भ में मेला क्षेत्र को तकनीक का उपयोग
करते हुए इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर
के साथ जोड़ने का काम किया गया

मुख्यमंत्री ने 21 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

केन्द्रीय प्लेसमेण्ट सेल एवं रोजगार पोर्टल का शुभारम्भ

प्रोटो टाइप प्रदर्शनी का अवलोकन एवं प्रोटो टाइप विद्यार्थी पुरस्कृत

प्रवेश परीक्षा के टॉप रैंकर्स विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित

नवनियुक्त शिक्षक सिर्फ शिक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि अपने इनोवेशन
को जारी रखें, क्योंकि जीवन चलने का नाम है, ठहराव का नहीं

मुख्यमंत्री को पुलवामा में शहीदों के परिजनों के सहायतार्थ ए०के०टी०यू० ने 18 लाख
रु० का चेक तथा एच०बी०टी०यू०, कानपुर की ओर से 5 लाख 25 हजार रु०
की आर्थिक सहायता का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु भेंट किया गया

लखनऊ : 22 फरवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तकनीक से जुड़े विद्यार्थी टेक्नोलॉजी के माध्यम से समाज के लिए बेहतर कार्य कर सकते हैं। सामाजिक समस्याओं का तकनीक के माध्यम से कैसे समाधान किया जा सकता है, इसको केन्द्रित करते हुए कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने यह विचार आज यहां डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (ए०के०टी०यू०) में आयोजित 'प्राविधिक शिक्षा : सफलता के नए आयाम' के तहत 250 नवनियुक्त शिक्षकों से संवाद, लैपटॉप वितरण, सर्वश्रेष्ठ प्रोटो टाइप मॉडल पुरस्कार एवं केन्द्रीय प्लेसमेण्ट सेल, रोजगार पोर्टल के शुभारम्भ तथा 21 परियोजनाओं के

लोकार्पण व शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। इससे पूर्व, उन्होंने प्रोटो टाइप प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 21 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने केन्द्रीय प्लेसमेण्ट सेल एवं रोजगार पोर्टल के शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रवेश परीक्षा के टॉप रैंकर्स विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किया। उन्होंने प्रोटो टाइप विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से जितना भी सॉलिड वेस्ट निकलता है, उसे इनर्जी में कन्वर्ट करने तथा इस वेस्ट को हम वेल्थ में कैसे बदलें, इस पर कार्य किया जाना चाहिए। वेस्ट को वेल्थ में बदलने का यह इनोवेटिव आइडिया वर्तमान पीढ़ी के मन में है, लेकिन उसको बदलने के लिए मंच और मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी विद्यालय और तकनीकी संस्थानों पर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ए0के0टी0यू0 के सामने अपने भविष्य की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जी0 अब्दुल कलाम एक आदर्श हैं। डॉ0 कलाम ने इस देश को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा एक वैदिक श्लोक है—‘आनो भद्रा कर्तवो यन्तु विश्वतः’ यानि सब दिशाओं से ज्ञान प्राप्त करने के लिए हम अपने मस्तिष्क को खुला रखें। वैदिक ऋषि की सोच है कि हर ओर से ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमें अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा। उत्तर प्रदेश के विकास में तकनीकी विश्वविद्यालयों की महती भूमिका हो सकती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज में फैकल्टी की तैनाती की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा का माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने हेतु एक अनुकूल अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्वालिटी एजुकेशन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। छात्र-छात्राओं को वर्तमान की चुनौतियों से जूझने के योग्य बनाना होगा, ताकि हम इनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकें। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है। किन्तु आज कई नदियां प्रदूषित हो चुकी हैं। इस ज्वलन्त समस्या का समाधान अध्यापकों व विद्यार्थियों को अपनी नई सोच व इनोवेशन के माध्यम से करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में उन्हें जब मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का अवसर मिला, तो उनके सामने विभिन्न प्रकार की चुनौतियां थीं। लेकिन एक सबसे

बड़ी चुनौती थी जनवरी, 2019 में दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और धार्मिक आयोजन कुम्भ की। वर्तमान सरकार ने प्रयागराज कुम्भ को भव्य एवं दिव्य बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं, जिसका परिणाम रहा है कि सभी देशी-विदेशी श्रद्धालुओं द्वारा कुम्भ की सराहना की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 'नमामि गंगे परियोजना' के माध्यम से जिस अभिनव कार्यक्रम की शुरुआत की और गंगा जी की अविरलता और निर्मलता का जो संदेश दिया, वह इस आयोजन में दिखायी दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुम्भ में अब तक 21 करोड़ लोगों ने संगम में स्नान किया है, जो एक रिकॉर्ड है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुम्भ के आयोजन हेतु सुरक्षा एक बहुत बड़ी चुनौती थी। इसके दृष्टिगत पूरे प्रयागराज कुम्भ में मेला क्षेत्र को तकनीक का उपयोग करते हुए इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर के साथ जोड़ने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि तकनीक लोगों के जीवन में कैसे परिवर्तन ला सकती है, यह उदाहरण प्रयागराज कुम्भ में देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवनियुक्त शिक्षक सिर्फ शिक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि अपने इनोवेशन को जारी रखें, क्योंकि जीवन चलने का नाम है, ठहराव का नहीं। जीवन में आपका हर एक अच्छा कदम समाज में परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि ए०के०टी०यू० ने तकनीक का उपयोग करते हुए 10,000 छात्रों का एक साथ प्लेसमेण्ट करने की नई शुरुआत की है, जो सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि सभी तकनीकी संस्थान इस दिशा में एक नई प्रोग्रेसिव सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही, समाज को बेहतर भविष्य भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि सहयोग और सहभागिता का यह कार्यक्रम निरन्तर आगे बढ़ते रहना चाहिए। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र देश के सामने राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी को पुलवामा में शहीदों के परिजनों के सहायतार्थ ए०के०टी०यू० ने 18 लाख रुपए का चेक तथा हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एच०बी०टी०यू०), कानपुर की ओर से 5 लाख 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु भेंट किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री श्री संदीप सिंह, ए०के०टी०यू० के कुलपति डॉ० विनय कुमार पाठक सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।